25 दिसम्बर, 2014 को नई दिल्ली में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर परम पूज्य शंकराचार्य स्वामी दिव्यानंद तीरथ द्वारा किए जाने वाले विराट हवन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

हमारे परम सम्माननीय और प्रिय भारत रत्न मनोनीत श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिन के अवसर पर आज आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। सर्वप्रथम, मैं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनके जन्म दिन पर अपनी शुभकामनाएं देती हूं और उनके स्वस्थ और सुखद जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती हूं। मैं परम पूज्य शंकराचार्य स्वामी दिव्यानंद तीरथजी द्वारा इस अवसर पर किए जाने वाले भव्य हवन का आयोजन करने के लिए आस्था कुंज संस्था को बधाई देती हूं।

हवन, हिंदुत्व का एक सर्वाधिक पवित्र करने वाला अनुष्ठान है जिसे जीवन के विभिन्न अवसरों पर किए जाने वाले हिंदू संस्कारों से अलग नहीं किया जा सकता। हवन में उपयोग की जाने वाली सामग्री के सम्मिलित प्रभाव से व्यक्तियों तथा पर्यावरण पर स्फूर्तिदायक और ऊर्जा प्रदान करने वाला प्रभाव पड़ता है और इससे आस-पास के परिवेश से नकारात्मक ऊर्जा दूर चली जाती है। परम पूज्य शंकराचार्य स्वामी दिव्यानंद तीरथजी जैसे परम ज्ञानी और सम्माननीय गुरू द्वारा ऐसे अनुष्ठान किए जाने से इसकी पवित्रता कई गुणा बढ़ जाती है। ढोलक-भानपुरा पीठ के 11वें उत्तराधिकारी स्वामी जी में प्रारंभ से ही नेतृत्व के महान गुण विद्यमान थे। सुधी पाठक और प्रकांड पंडित, शंकाराचार्य जी ने ध्यान के अभ्यास और जीवन तथा मृत्यु के रहस्यों को जानने की इच्छा में अनेक वर्ष व्यतीत किए। शंकराचार्य जी के वेदांत और अन्य धर्मग्रंथों के सिद्धांतों पर पूर्ण अधिकार के साथ-साथ उनकी भाषण कुशलता ने उन्हें विश्व भर में बहुत लोकप्रिय बनाया है। उनके धार्मिक प्रवचनों को समाज के सभी वर्गों के लोग, जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर बड़ी उत्सुकता से सुनते हैं। विश्व भर का भ्रमण कर चुके शंकराचार्य जी ने सामान्य रूप से मानवता और विशेष रूप से सनातन धर्म के उत्थान के प्रति अपना जीवन समर्पित कर दिया है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझती हूं कि श्री शंकराचार्य जी द्वारा किए जाने वाले इस विराट हवन के अवसर पर यहां उपस्थित हूं।

मित्रो, श्री अटल बिहारी वाजपेयी आज एक सबसे वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती है जिनका सभी दल सम्मान करते हैं। यद्यपि उन्होंने अपना करियर एक पत्रकार के रूप में शुरू किया किंतु उन्होंने देश की राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेकर हमारे देश को बेहतर बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, महत्वपूर्ण संसदीय

समितियों के सभापति जैसे विभिन्न पदों पर रहकर देश की सेवा की। पद्म विभूषण और उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्राप्त श्री वाजपेयी जी एक प्रखर वक्ता रहे हैं और उनके भाषणों को संसद में ध्यानपूर्वक सुना जाता था।

अनेक देशों की यात्रा कर चुके श्री वाजपेयी जी ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उत्थान तथा महिलाओं और बच्चों के कल्याण में सदैव गहरी रूचि ली। यह सर्वविदित है कि श्री वाजपेयी जी बहुमुखी सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं। उनके लेखों में विशेषकर उनकी कविताओं में, जिन्हें सर्वत्र सराहा गया है, उनके व्यक्तित्व का संवेदनशील पहलू परिलक्षित होता है।

मैं पुनः उन्हें उनके जन्मदिवस पर अपनी शुभकामनाएं देती हूं और आशा करती हूं कि वे अपने ज्ञान और विचारों से निरंतर हमारा मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे।

भाषण समाप्त करने से पूर्व मैं इस विराट हवन का आयोजन करने के लिए आस्था कुंज संस्था को बधाई देती हूं। मैं भविष्य में उन्हें उनके सतत् प्रयासों की सफलता के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद।